RNI: MPHIN/2012/48965

डाक पंजीयन मालवा डिवीजन /317/2025-2027 तक

साप्ताहिक

विक्रांत भैरव दर्शन

वर्ष 15 अंक 6 | उज्जैन, शुक्रवार 10 जुलाई से 16 जुलाई 2026 तक | पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

अपर्णा शर्मा की लिखी 3 किताबों के द्वितीय संस्करण का हुआ विमोचन

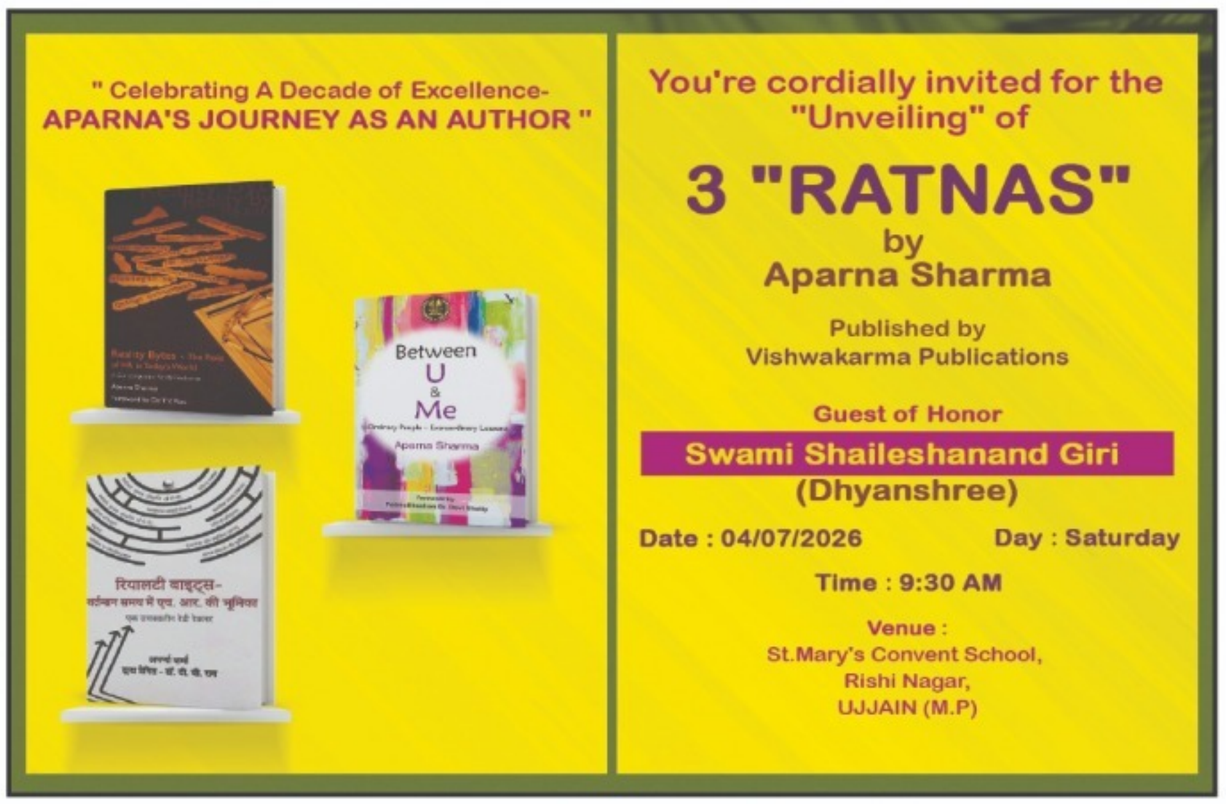

उज्जैन, विक्रांत भैरव दर्शन । लेखिका अपर्णा शर्मा ने 2015, 2016 और 2018 में लिखी अपनी 3 किताबों के सेकंड एडिशन का विमोचन अपने ही स्कूल सेंट मेरी कॉन्वेंट में किया। किताबों का नया नाम थ्री रत्नाज है। इनमें से एक किताब बेस्ट सेलर के साथ गोल्डन बुक अवॉर्ड भी जीत चुकी है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम शिक्षकों का सम्मान अपर्णा ने अपने गुरुओं को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया। उनके पिता नरेंद्र मोहन शर्मा ने रीटा चौधरी, अमिताभ त्रिवेदी, पी.जे. आशिकी, प्रिंसिपल सिस्टर सरिता और वाइस प्रिंसिपल सिस्टर प्रिया का सम्मान किया। अपर्णा ने कहा कि गुरु ही असली कुम्हार होते हैं जो छात्र को गढ़ते हैं। इस समारोह के मुख्य अतिथि जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर शैलेशानंद गिरि महाराज जो की इसी स्कूल के छात्र रहे हैं। उन्होंने कहा 'गधा आईने में शेर बन जाता है' कहानी से समझाया कि अधकचरा ज्ञान से इंसान खुद को कभी शेर कभी कुत्ता समझता है। असली ज्ञान निष्ठा से आता है। इसलिए आप जो हो वही बनकर रहेंगे तो अपनी पहचान बना पाओगे। अपर्णा ने छात्राओं के लिए स्कॉलरशिप शुरू करने की घोषणा की, ताकि उन्हें आगे बढ़ने के मौके मिलें। नरेंद्र मोहन शर्मा ने कहा 'आज इंफॉर्मेशन तो खूब है लेकिन नॉलेज किताबों से ही मिलेगा। किताबें पढ़ना मत छोड़िए। 'उनकी किताबें एचआर, मैनेजमेंट और ह्यूमन नेचर पर हैं। 15 चैप्टर वाली एक किताब की प्रस्तावना पद्मभूषण डॉ. देवी शेट्टी ने लिखी है। ये किताबें बॉम्बे यूनिवर्सिटी और वनस्थली विद्यापीठ जैसी जगहों पर रेफरेंस बुक के रूप में भी लगी हैं। यह एक 'गुरु-ऋण' चुकाने और पुरानी यादों को ताजा करने वाला भावुक आयोजन था।